on 31.3.1995 are Rs. 167.17 crores, Rs. 128.18 crores and Rs. 84.93 crores respectively.

(c) The steps taken for getting arrears cleared from the defaulting SEBs include constant follow-up at various levels persuading the SEBs to open Letters of Credit and to execute commercial agreements in favour of NHPC for purchase of power. In addition, the outstanding amount upto 31st March, 1994 is being recovered in instalments through the Central Plan Allocations of the defaulting States.

(d) Regulating the power supplies to defaulting SEBs is expected to convince them of the need to discharge their liability towards NHPC in a more effective manner.

(e) The overall energy shortage in Northern Region and in the country as a whole is expected to be between 8-10 per cent during this summer.

(f) The measures being taken to improve the availability of power include expediting the commissioning of new generating capacity, implementation of short gestation projects improving the performance of existing power stations, reduction of transmission and distribution losses, implementation of better demand management and energy conservation measures, arranging transfer of energy from surplus to deficit areas and promotion of Private Sector investment in power sector.

बिजली की पारगम्यता तथा वितरण संबंधी हानि

4455. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री मती सुषमा स्वराज

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में राष्ट्रीय स्तर पर बिजली की पारगम्यता तथा वितरण संबंधी हानि का औसत विश्व के अन्य विकसित तथा विकासशील देशों की तुलना में बहुत अधिक है;

(ख) यदि हां, तो विश्व के विकसित तथा विकासशील देशों में इसहानि की सामान्य दर कितनी है ;

(ग) आय की स्थिति के अनुसार देश में राष्ट्रीय स्तर पर इस हानि का प्रतिशत क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस अधिक हानि के कारण देश में बिजली अपेक्षाकृत महंगी हो जाती है ;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार का अनुमान क्या है और सरकार ने देश मे बिजली की पारगम्यता तथा वितरण संबंधी हानि की अलग-अलग प्रतिशतता का पता लगाया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या सरकार ने देश में बिजली की पारगम्यता के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने का निर्णय किया है; और

(च) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की है ?

विद्युत मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला बेन चिमनभाई पटेल) (क) जी हां । देश में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली विद्युत की औसत पारेषण एवं वितरण हानियां, विश्व के कुछ अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक है ।

(ख) विकसित देशों में पारेषण एव वितरण हानियां 5 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक की सीमा में हैं, जबकि विकासशील देशों में ये 8 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक की सीमा में हैं। कुछेक विकसित एवं विकासशील देशो मे पारेषण एवं वितरण हानियों को इंगित करने वाला ब्यौरा क्रमश: विवरण I और II में दिया गया है।

(ग) वर्ष 1993-94 हेतु देश में कुल मिलाकर पारेषण एवं वितरण हानिया 21.46 प्रतिशत (अनंतिम की सीमा में थी) ।

(घ) जी हां, पारेषण एवं वितरण हानियों में कमी होने से उपभोक्ताओं को उपलब्ध ऊर्जा के बिना किसी प्रकार की अतिरिक्त लागत के अभिवृद्धि हो जाएगी जिससे बिजली की प्रति यूनिट लागत में कटौती हो जाएगी ।

(ङ) और (च) : इस समय, पारेषण एवं वितरण हानियां अलग-अलग नहीं हैं, चूंकि इनके लिए कृत्रिम उच्च कोटि के जटिल उपस्करों की आवश्यकता होती है और निधियों में कमी होने के कारण, भविष्य में इन्हें अधिष्ठापित कर पाना संभव नहीं होगा । मौजूदा विद्युत नीति, पारेषण एवं वितरण में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति प्रदान करती है ।

विवरण–I

विकसित एवं विकासशील देशों में पारेषण एवं वितरण हानियों की प्रतिशतता
(सार्वजनिक यूटोलिटीज)

क्रम.	देश	1989	1990	1991	1992
1.	आस्ट्रेलिया	7.19	7.34	7.44	7.19
2.	बेल्जियम	5.64	5.82	5.59	5.61
3.	कनाडा	9.45	8.42	8.74	8.44
4.	चेकोस्लेवाकिया	7.91	7.86	8.08	8.50
5.	डेनमार्क	5.65	5.17	6.92	6.70
6.	फिनलैंड	5.64	5.91	5.04	5.09
7.	फ्रांस	8.25	8.18	8.28	7.64
8.	जर्मन डी आर	8.05	9.15	—	—
9.	जर्मन एफ आर	4.18	4.63	—	—
10.	जर्मनी	—	—	5.17	4.87
11.	ग्रीस	8.12	9.05	8.88	7.92
12.	हंगरी	11.11	11.09	11.06	9.43
13.	आयरलैण्ड	9.70	9.78	10.00	9.71
14.	इटली	8.54	7.83	8.15	7.84
15.	नार्वे	8.53	10.43	7.40	9.71

क्र०सं०	देश	1989	1990	1991	1992
16.	पोलैण्ड	10.58	9.83	12.43	13.85
17.	स्पेन	9.10	10.00	10.01	10.05
18.	स्वीडन	7.20	7.00	6.57	7.11
19.	स्वीटजरलैण्ड	8.03	7.97	7.97	8.03
20.	यू एस एस आर	9.45	9.32	—	—
21.	रूस गणराज्य	—	—	8.98	9.59
22.	यू. के.	8.53	8.25	8.80	9.20
23.	यू एस ए	5.70	3.68	7.93	8.97
24.	भारत*	23.28	22.89	22.83	21.80

स्रोत : विभिन्न वर्षों के लिए यूरोप यू.एन. हेतु विद्युत ऊर्जा आंकड़ों के वार्षिक बुलेटिन से।

2. सामान्य पुनरीक्षा (समीक्षा) के. वि. प्रा. द्वारा प्रकाशित।

टिप्पणी:

1*. वित्तीय वर्षों के लिए।

विवरण-II

विकासशील देशों में पारेषण एवं वितरण हानियों की प्रतिशतता (सार्वजनिक यूटीलिटीज)

क्र. सं.	देश	1987	1988	1989	1990
1.	अल्जीरिया	14.09	15.55	18.51	15.07
2.	बंगलादेश	39.64	38.55	30.10	35.57
3.	ब्राजील	13.28	13.26	13.70	13.31
4.	चिली	17.67	18.77	15.41	14.72

क्र०सं०	देश	1987	1988	1989	1990
5.	कोलम्बिया	17.46	25.83	24.25	23.70
6.	कोस्टारिका	10.20	10.44	10.18	17.62
7.	गुआटेमाला	15.87	16.31	16.08	उ.न.
8.	इण्डोनेशिया	20.84	19.02	18.42	17.98
9.	जोर्डन	15.91	13.27	10.99	10.07
10.	किनिया	13.42	16.47	15.46	15.49
11.	कुवैत	9.02	9.32	9.02	8.40
12.	मलेशिया	11.96	11.75	11.38	9.63
13.	म्यांमार	30.13	34.05	27.96	26.16
14.	नेपाल	28.21	32.67	28.39	28.84
15.	फिलीपिन्स	21.73	19.80	18.37	16.81
16.	पाकिस्तान	22.36	22.24	20.64	21.34
17.	पेरू	13.67	13.52	13.91	14.46
18.	श्रीलंका	16.31	14.83	17.26	16.78
19.	थाईलैण्ड	10.64	10.58	10.20	10.85
20.	ट्यूनिशिया	13.51	14.04	13.62	12.83
21.	जाम्बे	23.62	21.77	19.12	21.72
22.	जिम्बाबे	8.93	9.73	6.76	9.74
23.	*इण्डिया	22.48	22.31	23.28	22.89

टिप्पणी: : 1. उ.न. —उपलब्ध नहीं
2. *– वित्तीय वर्ष के लिए

स्रोत: : 1. ऊर्जा अधिशेष और विद्युत, 1990
(यूनाइटेड नेशंस पब्लिकेशन–1992)

2. सामान्य समिक्षा—के.वि.प्रा. द्वारा प्रकाशित ।